

5-6-2015

पत्रावली राजस्व लोक अदालत

ग्राहक पंजाबत बनेन पर प्रस्तुत

हुयी | वादीका गन्त व प्रतिवादीका

1 वा 4 उपास्थित। दोनों पक्षों ने
बतया कि हमारे आपस के

रिश्ते की सीमाओं से लेकर

विवद है। दोनों पक्ष कंपनी-2

स्वातंत्र्य की शक्ति का सीमाशासन

कराये जाते हैं सहमत है।

दोनों पक्ष सीमाशासन हैं अर्थात्

पत्र प्रस्तुत करें। दोनों पक्ष

सीमाशासन के पश्चात वल प्रस्तुत

करते हैं स्वतंत्र रहेंगे। अतः

वाद वारीया इन्हीं स्टेज पर

स्वातंत्र्य किया जाता है पत्रावली

कलकत्ता के रिकॉर्ड पर से

कम है तथा दफ्तर दाखिल हो

निर्दिष्ट सुनाना गाना।

उप खण्ड अधिकारी
लुधियाना जिला लोक

श्री गंभीर

श्री लक्ष्मी

श्री दीप

श्री जयसू

श्री जयसू